

फलत स्त्री. (तत्.) 1. पेड़ों में फल लगने की क्रिया या फल का आना, वृक्ष से उत्पन्न होने वाली वस्तु 2. वृक्षों और पौधों से प्राप्त उपज, फलतः क्रि.वि. 1. फल के रूप में, परिणामस्वरूप 2. कारणवश।

फलत्रय पुं. (तत्.) आयु. 1. तीन फलों का समन्वय 2. हरड़, बहेड़ा, आँवला इन तीन फलों का समाहार, त्रिफला या त्रिफला का चूर्ण।

फलत्रिक पुं. (तत्.) आयु. 1. तीन फलों का समाहार 2. त्रिफला (ओषधि) 3. पीपल, सोंठ, काली मिर्च इन तीनों का समन्वित रूप।

फलद वि. (तत्.) 1. फल देने वाला 2. अच्छा फल देने वाला, लाभदायी 3. वृक्ष या पेड़ जो फल देने वाला हो स्त्री. फलदा।

फलदाता वि. (तत्.) 1. फलदायी, फलद, परिणामप्रद 2. लाभदायक।

फलदान पुं. (तत्.) 1. फल का देना, फल प्रदान 2. विवाह से पूर्व कन्यापक्ष के द्वारा वर के वरण करने का एक संस्कार या प्रथा 3. कन्या के दरवाजे पर वर के तिलक करने की प्रथा।

फलदार वि. (तत्.) 1. फल से भरा हुआ (वृक्ष) जिस वृक्ष में फल लगे हों या लग रहे हों, फलावृत 2. धारदार, जिस हथियार में तेजधार वाला फल लगा हो।

फलन पुं. (तत्.) 1. वृक्ष में फल आना या लगना। फलवान होना, वृक्ष का फलदार होना 2. किसी कार्य या प्रयास का फल निकलना या फल मिलना कृषि. वनस्पति में बीजफल का उत्पन्न होना।

फलना अ.क्रि. (हि.) 1. फलित होना, फल से युक्त होना 2. कामना पूरी होना, परिश्रम सफल होना, फलीभूत होना 3. संततिवान होना 4. समृद्ध होना 5. लाभदायक सिद्ध होना मुहा. फलना-फूलना- सुखी और समृद्ध होना, बराबर उन्नति करते रहना, पेड़ों का फलवान होना।

फलभरता स्त्री. (तत्.) फल भार से लदा होना, फलों से युक्त होना, फलपूर्ण होने का भाव।

फलभोजी वि. (तत्.) फल का भोग करने वाला, फलाहारी, केवल फल खाने वाला।

फलयोग पुं. (तत्.) फलना, अभिलषित को प्राप्त करना, फल मिलने का समय नाट्य. दृश्यकाव्य में रूपक, नाटक आदि की अंतिम अवस्था 'फलागम' की होती है जिसमें नायक/नायिका को फल की प्राप्ति होती है।

फल रचना विज्ञान पुं. (तत्.) फल रचना से संबंधित विज्ञान।

फलराज पुं. (तत्.) फलों में श्रेष्ठ, फलों का राजा सर्वोत्तम फल (आम को फलों में राजा या श्रेष्ठ माना गया है)।

फललक्षण स्त्री. (तत्.) फलहेतु का लक्षण।

फलवान् पुं. (तत्.) 1. फलों से युक्त, फलोंवाला, फलने वाला, फल देने वाला, फलदार पेड़ 2. जिसका कुछ परिणाम हो 3. सफल।

फलशर्करा स्त्री. (तत्.) फलों वाली शक्कर, फलों से प्राप्त होने वाली शक्कर जैसे- चुकंदर से बनने वाली चीनी को फलशर्करा कहते हैं।

फलश्रुति स्त्री. (तत्.) 1. धार्मिक या सांस्कृतिक पुस्तक के पाठ करने या सुनने से शुभ फल की प्राप्ति का वर्णन जो पुस्तक के अंत में लिखा रहता है 2. ग्रंथों के अंत में दिया गया उसके पाठ या श्रवण से प्राप्त फल की सूचना, 'फलश्रुति' को सुनना (फलश्रुति सुनकर उस ग्रंथ को सुनने या कर्म करने की लोगों की प्रवृत्ति होती है)।

फलस्वरूप क्रि.वि. (तत्.) फल के रूप में, परिणाम के कारण, फल के कारण।

फलहार पुं. (तत्.) फल का भोजन, फलाहार स्त्री. (तत्.) 1. वन्यवृक्षों के फल, वनफल 2. मेवा आदि ड्राईफ्रूट।

फलाहारी वि. (तत्.) फल का भोजन करने वाला फलाहारी, केवल फल से बना खाद्य।

फलाँ वि. (फा.) चर्चा या वार्ताक्रम में नाम की जगह प्रयुक्त शब्द, अमुक, फलाना।